eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन

[1]सोमेन्द्र सिंह
[2]डॉ0 सतीश पाल सिंह
[1]शोधार्थी, शिक्षा विभाग दिगम्वर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत) सम्बद्ध- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग दिगम्वर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत) सम्बद्ध- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

Received: 20 Jan 2023, Accepted: 28 Jan 2023, Published with Peer Reviewed on line: 31 Jan 2023

Abstract

महाविद्यालयों में शिक्षक को भौतिक, प्रशासनिक, वित्तीय, शैक्षिक एवं व्यावसायिक वातावरण के क्षेत्रों समायोजन करना होता है। उक्त समस्त क्षेत्रों में भली-भाँति समायोजन करके ही एक शिक्षक अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन सही प्रकार कर सकता है। शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता भी संस्था के वातावरण पर निर्भर करती है। व्यावसायिक प्रतिबद्धता शिक्षक में समयबद्धता, कर्तव्यपरायणता एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करती है, जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव शिक्षक की कार्यकुशलता एवं शिक्षण अधिगम पर पड़ता है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ शिक्षको की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना चाहता है। संस्थावार मध्यमान परिणामों को देखने से ज्ञात होता है कि राजकीय शिक्षकों का मध्यमान 214.34 तथा अनुदानित शिक्षकों का मध्यमान 231.38 प्राप्त हुआ, जिससे स्पष्ट होता है कि संस्थागत वातावरण के तीनों समूहों में अनुदानित शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता अधिक है। जबकि संस्थागत वातावरण के तीनों समूहों में राजकीय शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता कम है। पूर्व से ज्ञात है कि किसी संस्था का संस्थागत वातावरण भौतिक संसाधनों, मानवीय संसाधनों, संस्था के आदर्श, मूल्यों एवं शैक्षिक वातावरण से मिलकर बनता है। उक्त संसाधन जिन महाविद्यालयों में अधिक व पर्याप्त होते है वहाँ शिक्षकों की कार्य संतुष्टि व कार्य के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ती है। ज्ञातव्य है कि किसी शैक्षिक संस्था में उच्च शैक्षिक गुणवत्ता लाने के लिए मानवीय, भौतिक व शैक्षिक संसाधनों के साथ-साथ शिक्षकों में कार्य संतुष्टि होना भी आवश्यक है, जिससे व्यवसायिक प्रतिबद्धता बढ़ती है।

Keywords- महाविद्यालयों का संस्थागत वातावरण, संदर्भ, राजकीय एवं अनुदानित शिक्षक, व्यावसायिक प्रतिबद्धता

Introduction

महाविद्यालयों में शिक्षक को भौतिक, प्रशासनिक, वित्तीय, शैक्षिक एवं व्यावसायिक वातावरण के क्षेत्रों समायोजन करना होता है। उक्त समस्त क्षेत्रों में भली-भाँति समायोजन करके ही एक शिक्षक अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन सही प्रकार कर सकता है। शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता भी संस्था के वातावरण पर निर्भर करती है। व्यावसायिक प्रतिबद्धता शिक्षक में समयबद्धता, कर्तव्यपरायणता एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करती है, जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव शिक्षक की कार्यकुशलता एवं शिक्षण अधिगम पर पड़ता है। शिक्षक की समाज में एक विशिष्ट भूमिका है क्योंकि समाज बड़े विश्वास से अपने पाल्यों के समाजीकरण और शिक्षा-दीक्षा के लिये उन्हें शिक्षक के हाथों में सौंपता है। आधुनिक समाज के निर्माण में शिक्षक का भी कुछ न कुछ योगदान अवश्य है क्योंकि समाज को दिशा देने का दायित्व शिक्षक का ही होता है। इसलिए समाज के बिगड़ते संतुलन के संदर्भ में शिक्षक को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी आवश्यक है। जी0 सी0 भट्टाचार्य के अनुसार – "समाज, समुदाय और राष्ट्र को सिर्फ इस वर्ग से अपेक्षा ही रखते हुये उन्हें अपनी अपेक्षा का शिकार बनाने के लिए अलिखित अधिकार का त्याग भी पहले करना होगा। उन्हे वेतन भोगी कर्मचारी बनने से दूर रहना होगा और जिन कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों के निर्वहन की उनसे अपेक्षा हो, उन्हे स्पष्ट करते हुये स्वयं उन्हे अपनाने के लिये तत्पर होना पड़ेगा"। प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन किया जाएगा।

2.उद्देश्य:-

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।

3.शोध परिकल्पना

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

4.प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण

व्यावसायिक प्रतिबद्धता

किसी व्यवसाय या कार्य के प्रति किसी व्यक्ति का समर्पण, निष्ठा, कर्तव्य, परिश्रम व गतिशीलता को व्यावसायिक प्रतिबद्धता कहा जाता है। सामान्य अर्थ में किसी कार्य के प्रति वचनबध्द होने को ही प्रतिबद्धता कहा जाता है। यहाँ शिक्षक की शिक्षण प्रतिबद्धता से तात्पर्य शिक्षकों के उन कार्यों के प्रति, प्रतिबद्धता से है जो शिक्षक आचार संहिता द्वारा उनके लिए निर्धारित किए गए हैं, इनमे समाज के आदर्श भी सम्मिलित होते हैं। शिक्षण प्रतिबद्धता शिक्षकों की एक ऐसी मानसिक अवस्था,दृष्टिकोण अथवा कर्तव्य संकल्प हैं जिसके फलस्वरूप शिक्षक अपने क्रियाकलापों के प्रति समर्पित तथा जागरूक रहते हुये अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने उत्तरदायित्व के लिए ही कार्य करते हैं। अध्यापकों की आचार संहिता में नेशनल एजुकेशन एसोशिएशन ने शिक्षकों के लिए 6 सूत्रीय आचार संहिता बनाई है जो शिक्षक प्रतिबद्धता का पैमाना मानी जा सकती है।

संस्थागत वातावरण

संस्थागत वातावरण या किसी शैक्षिक संस्था का वातावरण, संस्था के स्वास्थ्य के लिए आधारभूत आवश्यकता है। क्योंकि किसी शैक्षिक संस्था या विद्यालय का उत्तम संचालन संस्था के विभिन्न अंग जैसे संस्था प्रधान, शिक्षण,विद्यार्थियों और अन्य स्टाफ के मध्य अनुशासन व समन्वय पर निर्भर करता है। किसी शैक्षिक संस्था का वातावरण एक प्रक्रिया है जिससे संस्था की कार्यप्रणाली में सुधार होता है और संस्था उन्नति के पथ पर अग्रसर होती है। किसी शैक्षिक संस्था का प्रशासनिक संस्थागत वातावरण अनुशासन, समन्वय, सहयोग, सौहार्द, पारदर्शिता, कर्तव्यपरायणता, लगन, स्वानुशासन, स्व-प्रशासन व कार्य के प्रति समर्पण आदि से मिलकर बनता है। जबकि किसी शैक्षिक संस्था के शैक्षिक वातावरण के अन्तर्गत संस्था में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाएं, पाठ्य सहगामी क्रियाएँ, नैतिक शिक्षा, शिक्षक-अभिभावक सहयोग, शिक्षण कुशलता आदि सम्मिलित होते हैं।

राजकीय महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। राजकीय महाविद्यालयों के प्रबंधन व नियुक्तियों पर राज्य सरकार का नियंत्रण होता है।

अनुदानित महाविद्यालय

अनुदानित महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। अनुदानित महाविद्यालयों के प्रबंधन पर महाविद्यालय की प्रबंधन समिति का नियंत्रण होता है जबकि शिक्षकों व प्राचार्यों की नियुक्तियों उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

4.न्यादर्श एवं शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन हेतु जनसंख्या के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ उत्तर प्रदेश से संबद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों को माना गया है तथा अध्ययन हेतु प्रथम चरण में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यदर्शन विधि द्वारा 10 राजकीय व 20 अनुदानित महाविद्यालयों का चयन किया गया। द्वितीय चरण में इन्हीं चयनित महाविद्यालयों से 150 राजकीय शिक्षक तथा 150 अनुदानित कुल 300 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि से अध्ययन हेतु किया गया ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु आँकड़ों का संकलन शोधकर्ता द्वारा निर्मित 'संस्थागत वातावरण प्रश्नावली'एवं'व्यवसायिक प्रतिबद्धता मापनी' का प्रयोग किया गया। आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु शोध उद्देश्यों व परिकल्पनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार मध्यमान, मानक विचलन, टी-परीक्षण और एनोवा परीक्षणों का प्रयोग किया गया।

5. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

H0 1.1 महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के लिए व्यावसायिक प्रतिबद्धता ज्ञात करने हेतु मध्यमान और मानक विचलन की गणना की गई। यह मान तालिका संख्या 5.1 में तथा प्रसरण विश्लेषण (एनोवा) के मान तालिका संख्या 5.2 में दर्शाये गये हैं-

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

तालिका- 5.1: संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के संदर्भ में शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

संस्थागत वातावरण स्तर	संस्था का प्रकार	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या
उच्च	राजकीय	221.15	19.44	60
	अनुदानित	242.31	14.20	16
	कुल योग	231.73	20.33	76
मध्यम	राजकीय	212.30	22.94	69
	अनुदानित	224.95	22.07	69
	योग	218.62	23.28	149
निम्न	राजकीय	209.57	43.28	21
	अनुदानित	226.90	18.22	54
	योग	218.23	28.38	75
कुल योग	राजकीय	214.34	25.77	150
	अनुदानित	231.38	20.59	150
	योग	222.86	24.05	300

चित्र 5.1: संस्थागत वातावरण के संदर्भ में व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान

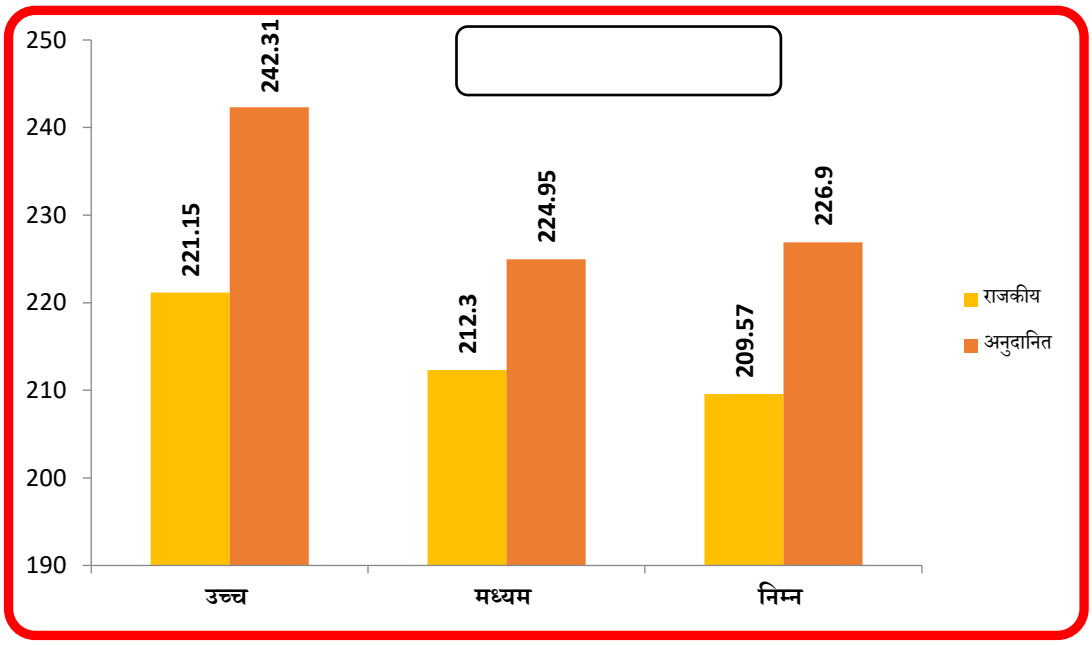

प्रसरण विश्लेषण निष्कर्ष (संस्थागत वातावरण के सन्दर्भ में व्यवसायिक प्रतिबद्धता)

अध्ययन चर (Study Variables)	वर्ग योग (Sum of Squares)	स्वतंत्रांश (df)	मध्यमान वर्ग (Mean Square)	एफ-मान (F-value)
संस्थागत वातावरण स्तर	7111.693	2	3555.846	6.760*
संस्था का प्रकार (राजकीय व अनुदानित)	15181.474	1	15181.474	28.860*

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

संस्थागत वातावरण स्तर*संस्था का प्रकार	757.174	2	378.587	.720
त्रुटि	154657.17	294	526.04	

(*0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

प्रसरण विश्लेषण के परिणाम से ज्ञात हुआ कि संस्थागत वातावरण के तीन समूहों यथा उच्च, मध्यम व निम्न समूह भी एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न हैं। जिनके के लिए एफ-मान 6.760 प्राप्त हुआ है, जो स्वतंत्रांश (2, 294) तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। तालिका संख्या 5.1 के अनुसार उच्च समूह का मध्यमान 231.73, मध्यम समूह का मध्यमान 218.62 तथा निम्न समूह का मध्यमान 218.23 प्राप्त हुआ है। संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय तथा अनुदानित शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के लिये एफ- मान (F-Value) 28.860 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रांश (1, 294) तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। इसलिए शून्य परिकल्पना कि 'महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयी शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है', को निरस्त किया जाता है।

यदि एफ- मान सार्थक है तो इसका अर्थ है कि कम से कम दो समूह एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न हैं। सार्थक रूप से भिन्न समूहों का पता लगाने के लिये टूके एचएसडी पोस्ट हॉक विश्लेषण किया गया, जिसे तालिका - 4.3 में प्रदर्शित किया गया है।

Sum of Squares	df	Mean Square
1346.255	2	673.128
34.455	1	34.455
370.303	1	370.303
966.659	1	966.659

तालिका 5.3: संस्थागत वातावरण स्तरों के मध्य, मध्यमान अंतराल की बहुविध तुलना

समूह (I)	समूह (J)	मध्यमान अंतराल (I-J)
उच्च	माध्यम	6.51
	निम्न	3.55
मध्यम	उच्च	-6.51
	निम्न	-2.96
निम्न	उच्च	-3.55
	मध्यम	2.96

(*मध्यमान अंतराल 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

तालिका 5.3 से ज्ञात होता है कि उच्च तथा मध्यम समूह एवं उच्च तथा निम्न समूह एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न है जिनके कारण एफ का मान सार्थक प्राप्त हुआ। तालिका 5.1 के अवलोकन से यह भी ज्ञात होता है कि संस्थागत वातावरण उच्च, मध्यम तथा निम्न समूहों के मध्यमान व्यावसायिक प्रतिबद्धता के लिये क्रमशः 231.73, 218.62 व 218.23 प्राप्त हुये। जिससे इंगित होता है कि उच्च समूह की व्यावसायिक प्रतिबद्धता सबसे अधिक है। जबकि निम्न समूह की प्रतिबद्धता सबसे कम है।

रेखाचित्र 5.2: संस्थागत वातावरण स्तरों के लिये व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

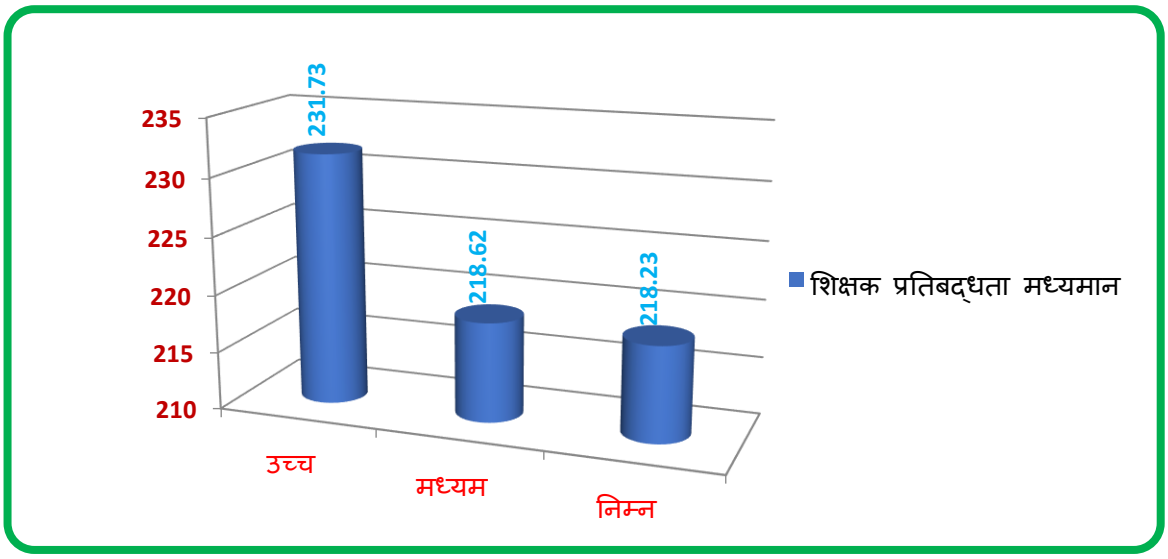

तालिका 5.2 में प्रदर्शित किया गया एफ- मान 28.860 स्वतंत्रांश (1, 294) इंगित करता है कि संस्थागत वातावरण के समूहों के साथ राजकीय व अनुदानित शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अंतर है। इससे ज्ञात होता है कि उच्च संस्थागत वातावरण वाले महाविद्यालय शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता भी अधिक होती है।

संस्थावार मध्यमान परिणामों को देखने से ज्ञात होता है कि राजकीय शिक्षकों का मध्यमान 214.34 तथा अनुदानित शिक्षकों का मध्यमान 231.38 प्राप्त हुआ, जिससे स्पष्ट होता है कि संस्थागत वातावरण के तीनों समूहों में अनुदानित शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता अधिक है। जबकि संस्थागत वातावरण के तीनों समूहों में राजकीय शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता कम है। पूर्व से ज्ञात है कि किसी संस्था का संस्थागत वातावरण भौतिक संसाधनों, मानवीय संसाधनों, संस्था के आदर्श, मूल्यों एवं शैक्षिक वातावरण से मिलकर बनता है। उक्त संसाधन जिन महाविद्यालयों में अधिक व पर्याप्त होते है वहाँ शिक्षकों की कार्य संतुष्टि व कार्य के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ती है। ज्ञातव्य है कि किसी शैक्षिक संस्था में उच्च शैक्षिक गुणवत्ता लाने के लिए मानवीय, भौतिक व शैक्षिक संसाधनों के साथ-साथ शिक्षकों में कार्य संतुष्टि होना भी आवश्यक है, जिससे व्यवसायिक प्रतिबद्धता बढ़ती है।

अतः उक्त शोध निष्कर्ष के आधार पर यह कहा जा सकता है कि महाविद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिये सर्वप्रथम संस्था का वातावरण उत्तम होना चाहिए। जिसके लिये समस्त आवश्यक संसाधनों के साथ-साथ संस्था में आदर्श व नैतिक मूल्यों की स्थापना किया जाना भी अति आवश्यक है। संस्थागत वातावरण अच्छा होने से शिक्षकों में प्रसन्नता व संतुष्टि बढ़ती है। किसी शैक्षिक संस्था में शैक्षिक गुणवत्ता, संस्था में उपलब्ध मानवीय, भौतिक संसाधनो व आदर्शों की पूरक होती है। इसलिए यदि उच्च शैक्षिक संस्थाओं के वातावरण को संतृप्त किया जाये तो इससे शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

उक्त गणना से स्पष्ट है कि संस्थागत वातावरण के सभी स्तरों पर अनुदानित शिक्षक अधिक व्यवसायिक प्रतिबद्ध है। इसके विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसे अनुदानित महाविद्यालयों में मानवीय संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में भौतिक संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में शैक्षिक संसाधनों व पर्यावरण का अच्छा होना। अनुदानित महाविद्यालयों में प्रबंधन व अनुशासन का उत्तम होना।

संदर्भ ग्रंथ (Bibliography)

1. संचेज़, एफ0 पी0 (2022). इन्फ़्लुएन्स ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एंड ओर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट ऑन द वर्क एंगेजमेंट ऑफ एम्प्लोइस इन द डिपार्टमेन्ट ऑफ एजुकेशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड मैनेजमेंट (IJSRM), 10*(1), 2971-2998. (Retrieved from: https: //www.ijsrm. in/index.php /ijsrm/article /view/3690/2506 on December 23, 2022)
2. महाजन, पी0 एवं कौट्स ए0 (2022). स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एमंग सेकंडरी स्कूल टीचर्स ऑफ पंजाब विद रेसपेक्ट टू टाइप ऑफ स्कूल्स. *जर्नल ऑफ पॉज़िटिव स्कूल साइकोलोजी, 6*(6), 9587-9597.

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Issue 01, Jan 2023

3. विदयनिनसीह, एच0, दरमावन, आर0 एवं पेलाना, आर0 (2021). इन्फ़्लुएन्स ऑफ ओर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट एंड टीचिंग मोटिवेशन ऑन द परफ़ोर्मेंस ऑफ फिजिकल एजुकेशन टीचर्स. *जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट, 21*(4), 2408-2412. (Retrieved from: https://efsupit.ro/ images/stories/august2021/Art% 20323.pdf on December 27, 2022)
4. गुप्ता एवं आहूजा (2018). ओर्गेनाइजेशनल कमिटमेंट एंड वर्क एंगेजमेंट एस ए फेसिलिटेटर फॉर सस्टेनिंग हायर एजुकेशन प्रोफेशनल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट टेक्नोलोजी एंड इंजीनीयरिंग (IJRTE), 7*(6S5), 1846-1851. (Retrieved from: https://www.ijrte.org/wp-content/uploads/ papers/v7i6s5/F13310476S5 19.pdf on January 09, 2023)